Patrika (Indore), 15th April 2023, Page-03

#IITIndore : स्पेस साइंस और एस्ट्रोनॉमी के स्किल डेवलपमेंट कोर्स चलाने की है योजना, मंत्रालय से नहीं मिल रही हरी झंडी

आइआइटी : उज्जैन तक जाना दुश्वार, सैटेलाइट कैंपस मुश्किल

पत्रिका
सिटी रिपोर्टर
patrika.com

इंदौर. नए कोर्स शुरू करने और सीटें बढ़ाने के मामले में आइआइटी इंदौर ने इसी सत्र में बीटेक के चार और एमटेक के 6 नए कोर्स के साथ 195 सीटों का इजाफा किया है, लेकिन सैटेलाइट कैंपस का महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट फाइलों में ही उलझा है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) ने 2021 में पहली बार शहरी सीमा से बाहर उज्जैन में सैटेलाइट कैंपस शुरू करने की घोषणा की थी। इस कैंपस में स्पेस साइंस और एस्ट्रोनॉमी के स्किल डेवलपमेंट कोर्स पढ़ाने के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर का शोध केंद्र बनाने की योजना है। हालांकि अब तक आइआइटी इंदौर से उज्जैन तक की दूरी तय नहीं कर सका है।

दरअसल, इस कैंपस के लिए करीब 500 करोड़ रुपए की दरकार है। केंद्र से इतनी राशि नहीं मिलने से काम आगे नहीं बढ़ सका। मौजूदा स्थिति में जुलाई से शुरू होने जा रहे सत्र से भी सैटेलाइट कैंपस शुरू होना मुश्किल है। आइआइटी प्रबंधन के अनुसार, सैटेलाइट कैंपस का ड्राफ्ट मंत्रालय को भेजा जा चुका है। वहां से हरी झंडी मिलते ही उज्जैन में काम शुरू कर दिया जाएगा।

विक्रम विवि ने खोले दरवाजे

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव कई बार उज्जैन में सैटेलाइट कैंपस जल्द शुरू करने की घोषणा कर चुके हैं। सैटेलाइट कैंपस के लिए आइआइटी को करीब 100 एकड़ जमीन की भी दरकार है। हालांकि, इसके लिए विक्रम विश्वविद्यालय ने सहमति प्रदान की है कि जब तक आइआइटी को जमीन नहीं मिल जाती, तब तक यहां के संसाधनों का इस्तेमाल किया जा सकता है।